देव – कक्षा 10 हिंदी (NCERT) | सारांश, नोट्स, प्रश्न-उत्तर, MCQs

---

Meta Description (150–160 characters)

देव कक्षा 10 हिंदी NCERT: कवि देव का जीवन परिचय, काव्य-विशेषताएँ, विस्तृत सारांश, महत्वपूर्ण प्रश्न-उत्तर, MCQs और परीक्षा उपयोगी नोट्स।

अध्याय का परिचय (Introduction of the Chapter)

देव कक्षा **10** हिंदी **(NCERT)** का यह अध्याय रीतिकाल के प्रमुख कवि देव के काव्य, काव्य-दृष्टि और साहित्यिक योगदान से परिचित कराता है। देव हिंदी साहित्य के उन कवियों में गिने जाते हैं जिन्होंने श्रृंगार रस, नायिका-भेद, अलंकार, भाव-सौंदर्य और भाषा-लालित्य को उच्च कोटि की अभिव्यक्ति दी। देव का काव्य सौंदर्यबोध, भावुकता और सूक्ष्म संवेदना के लिए प्रसिद्ध है।
देव अध्याय छात्रों को रीतिकालीन काव्य परंपरा, उसकी विशेषताओं और काव्यात्मक सौंदर्य के बोध से जोड़ता है। परीक्षा की दृष्टि से देव कक्षा **10** हिंदी अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे लघु-दीर्घ प्रश्न, काव्य-सौंदर्य, रस-अलंकार और भावार्थ से जुड़े प्रश्न पूछे जाते हैं।

संक्षिप्त नोट्स (Short Notes)

- देव रीतिकाल के प्रमुख कवि माने जाते हैं
- काव्य में श्रृंगार रस की प्रधानता
- नायिका-भेद का सुंदर चित्रण
- भाषा: ब्रजभाषा
- अलंकारों का स्वाभाविक प्रयोग
- भावुकता और कोमल संवेदना
- सौंदर्य का सूक्ष्म वर्णन
- प्रेम की मनोवैज्ञानिक अभिव्यक्ति
- रीतिकालीन काव्य परंपरा का प्रतिनिधित्व

विस्तृत सारांश (Detailed Summary – 900–1200 शब्द)

देव कक्षा **10** हिंदी अध्याय में रीतिकाल के प्रसिद्ध कवि देव के काव्य संसार का गहन परिचय मिलता है। रीतिकाल हिंदी साहित्य का वह कालखंड है जिसमें काव्य का केंद्र श्रृंगार, नारी-सौंदर्य, प्रेम-अनुभूति, नायिका-भेद और अलंकारिक अभिव्यक्ति रहा। देव इसी परंपरा के ऐसे कवि हैं जिन्होंने भावों की सूक्ष्मता और सौंदर्य की कोमलता को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।

देव का काव्य मुख्य रूप से प्रेम और श्रृंगार से जुड़ा है। उनके यहाँ प्रेम केवल बाहरी सौंदर्य तक सीमित नहीं है, बल्कि उसमें मन की अनुभूति, विरह की पीड़ा, मिलन की आकांक्षा और भावनात्मक गहराई दिखाई देती है। देव कक्षा 10 हिंदी अध्याय में यह स्पष्ट होता है कि देव प्रेम को केवल शारीरिक आकर्षण नहीं मानते, बल्कि उसे एक मानसिक और भावनात्मक अनुभव के रूप में चित्रित करते हैं।

देव की भाषा ब्रजभाषा है, जो उस समय की काव्यभाषा मानी जाती थी। उनकी ब्रजभाषा में माधुर्य, सरलता और प्रवाह देखने को मिलता है। शब्द चयन अत्यंत सटीक है और भावों के अनुकूल है। देव की कविता पढ़ते समय पाठक के मन में चित्र सजीव हो उठते हैं। यही कारण है कि देव का काव्य आज भी प्रभाव छोड़ता है।

देव कक्षा **10** हिंदी अध्याय में नायिका-भेद का विशेष महत्व है। देव ने नायिका के विभिन्न रूपों—स्वकीया, परकीया, मुग्धा, प्रगल्भा आदि—का अत्यंत सुंदर और भावपूर्ण चित्रण किया है। नायिका की भावनाएँ, उसकी मनोदशा, उसकी चंचलता और प्रेम-भाव का सूक्ष्म विश्लेषण देव के काव्य की विशेषता है। वे नायिका के सौंदर्य का वर्णन करते समय अतिशयोक्ति का सहारा नहीं लेते, बल्कि स्वाभाविक और कोमल भाषा में भाव व्यक्त करते हैं।

देव का अलंकार-प्रयोग भी उल्लेखनीय है। उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अनुप्रास जैसे अलंकार उनके काव्य में सहज रूप से आते हैं। अलंकार उनके काव्य पर बोझ नहीं बनते, बल्कि सौंदर्य को और निखारते हैं। यही कारण है कि देव का काव्य अलंकारिक होते हुए भी भावप्रधान है।

देव कक्षा 10 हिंदी अध्याय यह भी बताता है कि देव की कविता में विरह-वेदना का विशेष स्थान है। विरह की अवस्था में नायिका की पीड़ा, उसकी व्याकुलता और उसकी भावनात्मक अवस्था का चित्रण देव ने अत्यंत मार्मिक ढंग से किया है। विरह के क्षणों में प्रकृति भी नायिका की भावना से जुड़ जाती है—चाँद, बादल, पवन, पुष्प आदि सब उसके दुःख के साक्षी बनते हैं।

देव का काव्य रीतिकालीन परंपरा का प्रतिनिधित्व करता है, परंतु उसमें केवल रूढ़िबद्धता नहीं है। देव भावनाओं को नई संवेदना के साथ प्रस्तुत करते हैं। वे प्रेम को केवल शृंगारिक दृश्य तक सीमित नहीं रखते, बल्कि उसके मनोवैज्ञानिक पक्ष को भी उभारते हैं। इसी कारण देव कक्षा 10 हिंदी अध्याय विद्यार्थियों के लिए न केवल साहित्यिक अध्ययन का विषय है, बल्कि काव्य-सौंदर्य को समझने का माध्यम भी है।

देव की कविता में नारी-सौंदर्य का वर्णन अत्यंत कोमल और कलात्मक है। उनके सौंदर्य-वर्णन में अंग-प्रत्यंग का सूक्ष्म चित्रण मिलता है, पर वह कहीं भी अश्लील या भद्दा नहीं लगता। यह देव की काव्य-कुशलता का प्रमाण है। वे सौंदर्य को कला के स्तर पर प्रस्तुत करते हैं।

देव कक्षा 10 हिंदी अध्याय से यह भी स्पष्ट होता है कि रीतिकालीन कवियों पर दरबारी संस्कृति का प्रभाव था, फिर भी देव का काव्य केवल दरबार तक सीमित नहीं रहा। उनके भाव सार्वभौमिक हैं, जिनसे सामान्य पाठक भी जुड़ सकता है। प्रेम, सौंदर्य, विरह और मिलन—ये अनुभव हर युग में प्रासंगिक रहते हैं।

इस प्रकार देव कक्षा **10** हिंदी अध्याय छात्रों को रीतिकालीन काव्य की विशेषताओं, भाषा-शैली, रस-अलंकार और भावात्मक गहराई से परिचित कराता है। यह अध्याय परीक्षा की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे रस-विश्लेषण, अलंकार-पहचान, भावार्थ और व्याख्या से जुड़े प्रश्न पूछे जाते हैं।

फ्लोचार्ट / माइंड मैप (Text-based)

देव
→ रीतिकाल
→ ब्रजभाषा
→ श्रृंगार रस

→ नायिका-भेद
→ सौंदर्य वर्णन
→ विरह-वेदना
→ अलंकार प्रयोग
→ भावुक काव्य

महत्वपूर्ण शब्दावली (Important Keywords with Meanings)

- रीतिकाल – काव्य का वह काल जिसमें श्रृंगार और अलंकार प्रमुख रहे
- श्रृंगार रस – प्रेम और सौंदर्य से संबंधित रस
- नायिका-भेद – नायिका के विभिन्न प्रकार
- ब्रजभाषा – मध्यकालीन हिंदी की काव्य भाषा
- अलंकार – काव्य सौंदर्य बढ़ाने वाले तत्व
- विरह – प्रिय से बिछोह की अवस्था

महत्वपूर्ण प्रश्न-उत्तर (Important Questions & Answers)

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न **1:** देव किस काल के कवि थे?
उत्तर**:** देव रीतिकाल के प्रमुख कवि थे।

प्रश्न **2:** देव की भाषा कौन-सी थी?
उत्तर**:** ब्रजभाषा।

प्रश्न **3:** देव के काव्य में कौन-सा रस प्रमुख है?
उत्तर**:** श्रृंगार रस।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न**:** देव के काव्य की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।
उत्तर**:** देव के काव्य में श्रृंगार रस की प्रधानता, नायिका-भेद का सुंदर चित्रण, ब्रजभाषा का माधुर्य, अलंकारों का स्वाभाविक प्रयोग और भावुकता प्रमुख विशेषताएँ हैं।

---

20 बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs with Answers)

1. देव किस काल के कवि थे?
   A. भक्तिकाल
   B. रीतिकाल ✅
   C. आदिकाल
   D. आधुनिक काल

2. देव की भाषा क्या थी?
   A. अवधी
   B. हिंदी
   C. ब्रजभाषा ✅
   D. संस्कृत
3. देव के काव्य में कौन-सा रस प्रमुख है?
   A. वीर
   B. करुण
   C. श्रृंगार ✅
   D. शांत
4. देव के काव्य का मुख्य विषय क्या है?
   A. नीति
   B. प्रेम और सौंदर्य ✅
   C. भक्ति
   D. वीरता
5. नायिका-भेद किससे संबंधित है?
   A. नायक
   B. प्रकृति
   C. नारी के प्रकारों से ✅
   D. समाज
6. देव के काव्य में किसका सुंदर चित्रण है?
   A. युद्ध
   B. प्रकृति
   C. प्रेम-भावना ✅
   D. राजनीति
7. देव का काव्य किस परंपरा से जुड़ा है?
   A. भक्तिकाल
   B. रीतिकालीन परंपरा ✅
   C. आधुनिक
   D. छायावाद
8. देव के अलंकार कैसे हैं?
   A. बोझिल
   B. अस्वाभाविक
   C. सहज और सुंदर ✅
   D. कठिन
9. देव के काव्य में विरह किस रूप में है?
   A. हास्य
   B. करुण
   C. मार्मिक ✅
   D. वीर
10. देव की कविता में क्या प्रधान है?
    A. भावुकता ✅
    B. तर्क
    C. उपदेश
    D. दर्शन
11. देव का काव्य किसे प्रभावित करता है?
    A. केवल विद्वानों को
    B. केवल दरबार को

C. सामान्य पाठक को भी ✅
D. केवल कवियों को

12. देव का सौंदर्य-वर्णन कैसा है?
A. अश्लील
B. भद्दा
C. कोमल और कलात्मक ✅
D. रूखा

13. देव के काव्य में नायिका की कौन-सी अवस्था प्रमुख है?
A. युद्ध
B. विरह और मिलन ✅
C. नीति
D. भक्ति

14. देव के काव्य में भाषा का गुण क्या है?
A. कठिन
B. दुरूह
C. मधुर और प्रवाहपूर्ण ✅
D. नीरस

15. देव का काव्य किसके लिए जाना जाता है?
A. वीर रस
B. भक्ति
C. श्रृंगार और सौंदर्य ✅
D. दर्शन

16. देव के काव्य में प्रकृति किस रूप में आती है?
A. निर्जीव
B. भावों की सहचरी ✅
C. शत्रु
D. उदासीन

17. देव की कविता किस अनुभूति से जुड़ी है?
A. सामाजिक
B. राजनीतिक
C. मानवीय प्रेम ✅
D. ऐतिहासिक

18. देव कक्षा 10 हिंदी अध्याय क्यों महत्वपूर्ण है?
A. केवल परीक्षा हेतु
B. काव्य-सौंदर्य समझने हेतु ✅
C. इतिहास जानने हेतु
D. मनोरंजन हेतु

19. देव के काव्य में किसका अभाव है?
A. भाव
B. अलंकार
C. अश्लीलता का ✅
D. सौंदर्य

20. देव का स्थान हिंदी साहित्य में कैसा है?
A. गौण
B. सीमित
C. महत्वपूर्ण ✅
D. नगण्य

परीक्षा टिप्स / मूल्य-आधारित प्रश्न

- देव कक्षा 10 हिंदी से रस और अलंकार आधारित प्रश्न अवश्य आते हैं
- नायिका-भेद और श्रृंगार रस पर विशेष ध्यान दें
- उत्तर में उदाहरण अवश्य लिखें
- भाषा सरल और बिंदुओं में रखें

निष्कर्ष (Conclusion – SEO Friendly)

देव कक्षा **10** हिंदी **(NCERT)** का यह अध्याय रीतिकालीन काव्य की आत्मा को समझने में सहायक है। देव का काव्य प्रेम, सौंदर्य और भावुकता का उत्कृष्ट उदाहरण है। परीक्षा की दृष्टि से भी देव अध्याय अत्यंत महत्वपूर्ण है और साहित्यिक सौंदर्यबोध विकसित करने में सहायक है।